४. नगरीय स्थानीय शासन संस्थाएँ

४.१ नगर पंचायत

४.२ नगर परिषद

४.३ महानगरपालिका

पिछले पाठ में हमने ग्रामीण स्थानीय शासन संस्थाओं का अध्ययन किया है । इस पाठ में हम नगरीय स्थानीय शासन संस्थाओं के स्वरूप की जानकारी प्राप्त करेंगे । नगरीय स्थानीय शासन संस्थाओं में नगर पंचायत, नगरपालिका व महानगरपालिका का समावेश होता है ।

हमारे देश में नगरों की संख्या अधिक है । नगर तेजी से बढ़ रहे हैं । गाँव से छोटे नगर, छोटे नगर से नगर तथा नगरों का महानगर में परिवर्तन होता जा रहा है । नगरों के आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों का स्वरूप भी परिवर्तित हो रहा है ।

विचार-विमर्श करें ।

नगरों को ग्रसने वाली प्रमुख समस्याएँ कौन-सी हैं ?

रेश्मा शहर में अपने रिश्तेदार के घर दीवाली की छुट्टी में गई । वहाँ उसने आनंद से समय व्यतीत किया । रेश्मा वहाँ के कुछ प्रसंगों पर विचार करने लगी । रेश्मा के समान ही तुम विचार करो और उसे दो परिच्छेदों में लिखो ।

- एम्बूलैंस(रुग्णवाहिका) का हार्न(सायरन) ऊँची आवाज में बज रहा था और उसे खुला रास्ता नहीं मिल रहा था ।
- पानी कटौती के निर्णय के कारण पानी के टैंकर के पास भीड़ थी ।
- उद्‌यान में छोटे बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए सुविधाएँ उपलब्ध की जा रही थीं ।

नगरों में सुविधाएँ और समस्याएँ

सुविधाएँ	समस्याएँ
१. उद्‌योग, व्यवसाय के अवसर	१. अपर्याप्त आवास
२. बढ़ते सेवा क्षेत्र	२. स्थान का अभाव
३. बड़े पैमाने पर रोजगार	३. यातायात जाम
४. मनोरंजन, कला, साहित्य आदि सुविधाएँ उपलब्ध ।	४. कूड़े के निपटारे की समस्या
	५. बढ़ते अपराध
	६. अस्वच्छ झुग्गियों में बड़े पैमाने पर जनसंख्या

४.२ नगरपालिका

छोटे शहरों के लिए स्थानीय शासन के रूप में नगरपालिका का निर्माण किया जाता है । नगरपालिका का चुनाव प्रति पाँच वर्ष में होता है । निर्वाचित प्रतिनिधि नगरसेवक के रूप में कार्य करते हैं । वे अपने में से एक को अध्यक्ष के रूप में चुनते हैं । उसे नगराध्यक्ष कहते हैं ।

नगरपालिका की सभी सभाओं की अध्यक्षता नगराध्यक्ष करता है । वह नगरपालिका के कार्यों का नियमन करता है । नगरपालिका के आर्थिक व्यवहारों

* सभी स्थानीय शासन संस्थाओं को कुछ आवश्यक कार्य पूर्ण करने पड़ते हैं । वैसे ही तुम्हारे अनुसार नगर पंचायत के आवश्यक कार्य कौन-से होते हैं ?

४.२ नगरपालिका

छोटे शहरों के लिए स्थानीय शासन के रूप में नगरपालिका का निर्माण किया जाता है । नगरपालिका का चुनाव प्रति पाँच वर्ष में होता है । निर्वाचित प्रतिनिधि नगरसेवक के रूप में कार्य करते हैं । वे अपने में से एक का अध्यक्ष के रूप में चुनाव करते है, उसे नगराध्यक्ष कहते है।

नगरपालिका की सभी सभाओं की अध्यक्षता नगराध्यक्ष करता है । वह नगरपालिका के कार्यों का नियमन करता है । नगरपालिका के आर्थिक व्यवहारों पर ध्यान रखता है । नगराध्यक्ष की अनुपस्थिति में उपनगराध्यक्ष कार्य चलाता है ।

नगरपालिका को कुछ कार्य करने आवश्यक होते हैं, जिन्हें अनिवार्य कार्य कहा जाता है । जैसे- सार्वजनिक सड़कों पर बिजली व्यवस्था, जलापूर्ति, सार्वजनिक स्वच्छता और मल निस्सारण की व्यवस्था, जन्म-मृत्यु, विवाह का पंजीकरण करना आदि।

इसके अतिरिक्त नगरपालिका लोगों को और अधिक सेवा-सुविधाएँ देने के कार्य भी करती है; जिसे 'नगरपालिका के ऐच्छिक कार्य' कहा जाता है । सार्वजनिक सड़कों का परियोजन एवं उनके लिए जगह का अधिग्रहण करना, गंदी बस्तियों में सुधार कार्य, सार्वजनिक बगीचों और उद्यानों का निर्माण करना, पशुओं के लिए सुरक्षित निवास उपलब्ध कराना आदि सभी कार्य नगरपालिका के ऐच्छिक कार्य हैं ।

क्या तुम जानते हो ?

प्रत्येक नगरपालिका में एक मुख्य अधिकारी होता है । नगरपालिका द्वारा लिये गए निर्णयों का वह कार्यान्वयन करता है । उसकी सहायता करने के लिए अनेक अधिकारी होते हैं ।

१. क्या तुम्हें ऐसा अधिकारी बनना अच्छा लगेगा ?

स्वास्थ्य अधिकारी बनोगे तो कौन-से कार्य करोगे ?

नगरपालिका की आय के स्रोत

- आवास कर
- शिक्षा कर
- जल कर
- बाजार कर
- राज्य शासन द्वारा प्राप्त अनुदान

तुम क्या करोगे ?

१. कूड़ा-कचरा बीनने वाले को अपने घर का कूड़ा कचरा देते समय ......

२. पानी की पाइपलाइन टूटने की वजह से रास्ते पर पानी जमा हो गया है ......

३. यदि तुम्हें पता चले कि पानीपूरी में गंदे पानी का उपयोग किया जा रहा है ......

४. नदी के पुल के ऊपर से अनेक लोग प्लास्टिक की थैली में निर्माल्य(उपयोग में लाई गई पूजा की सामग्री) नदी में फेंक रहे हैं ......

५. गंदी बस्तियों के सुधार से संबंधित नगरपालिका का कार्यक्रम समाचारपत्र में प्रकाशित हुआ परंतु उसमें कोई सुधार तुम्हें उचित नहीं लग रहा है ......

नगरपालिका की ओर से आवाहन पत्र (अपील)

डेंगू के प्रसार को रोकने के लिए मच्छरों की पैदावार रोकिए । इसके लिए यह करें ...

१. पुराने टायर, नारियल की कटोरियाँ, पुराने खाली डिब्बे छज्जे पर या आसपास जमा न होने दें ।

२. बुखार न उतरने पर तुरंत वैद्यकीय सहायता लें ।

३. परिसर स्वच्छ रखें ।

✲ इस आवाहन पत्र के आधार पर तुम अपने घर और परिसर में क्या करोगे ?

४.३ महानगरपालिका

बड़े नगरों में नागरिकों को विविध सेवाएँ देनेवाली स्थानीय शासन संस्था को 'महानगरपालिका' कहते हैं। महाराष्ट्र में सबसे पहले मुंबई में महानगरपालिका की स्थापना की गई ।

ढूँढ़ो तो और अधिक समझोगे...

हमारे महाराष्ट्र में कितने नगरों का कामकाज महानगरपालिका देखती है?

तुम्हारे नगर की महानगरपालिका का निर्माण कब हुआ?

शहर की जनसंख्या के अनुपात में महानगरपालिका के कुल सदस्यों की संख्या निश्चित की जाती है । महानगरपालिका के चुनाव प्रत्येक पाँच वर्षों के बाद होते हैं । निर्वाचित प्रतिनिधि नगरसेवक होते हैं । वे अपने में से किसी एक को महापौर व एक को उपमहापौर के रूप में चुनते हैं । महापौर को शहर का प्रथम नागरिक कहते हैं। महापौर महानगरपालिका की सभाओं का अध्यक्ष होता है । महानगरपालिका की साधारण सभा में महानगर से संबधित अनेक विषयों पर विचार-विमर्श होता है । महानगर के विकास संबंधी विविध महत्त्वपूर्ण निर्णय यहाँ लिए जाते हैं ।

महानगरपालिका की समितियाँ : महानगरपालिका का प्रशासन विभिन्न समितियों द्वारा चलाया जाता है । शिक्षा समिति, स्वास्थ्य समिति, परिवहन समिति आदि कुछ प्रमुख महत्त्वपूर्ण समितियाँ हैं ।

महानगरपालिका का प्रशासन : महानगरपालिका आयुक्त महानगरपालिका का प्रशासनिक प्रमुख होता है। महानगरपालिका द्वारा लिए गए सभी निर्णयों का कार्यान्वयन आयुक्त करता है । जैसे- महानगरपालिका ने यदि प्लास्टिक की थैलियों(कैरी बैग) के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया तो उसका प्रत्यक्ष कार्यान्वयन आयुक्त करता है । वह महानगरपालिका का वार्षिक आय-व्यय पत्रक (बजट) तैयार करता है । वह महानगरपालिका की सर्वसाधारण सभाओं में उपस्थित रहता है ।

करके देखो

अपनी कक्षा में एक शिक्षा समिति बनाओ । समिति में लड़के व लड़कियों की संख्या समान हो। निम्न विषयों पर यह समिति विचार-विमर्श करके प्रतिवेदन तैयार करें ।

(अ) कक्षा में सुविधाएँ

(ब) कक्षा में छोटा ग्रंथालय बनाए जाने का प्रस्ताव

(क) खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन

क्या तुम जानते हो ?

कुल जनसंख्या में स्त्रियों का अनुपात लगभग आधा है । फिर भी राजनीति में स्त्रियों का अभाव दिखाई देता है । अपने दैनिक कामकाज में महिलाएँ भोजन, ईंधन, जल जैसे अनेक कार्य करती रहती हैं परंतु इन कार्यों के बारे में निर्णय लेने में उनका कोई योगदान नहीं होता । महिलाएँ घर में पानी का उपयोग सावधानी से करती हैं परंतु पानी की समस्या पर विचार-विमर्श करने में उनका कोई सहभाग नहीं होता है । स्थानीय शासन व्यवस्था में महिलाओं को पचास प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। जिससे ऐसे महत्वपूर्ण विषयों/समस्याओं का हल निकालने हेतु महिलाओं को अवसर प्राप्त हुआ है ।

नीचे दी गई सूची में से महानगरपालिका के कार्य ढूँढ़ो और उनकी एक सूची तैयार करो ।

- जल आपूर्ति
- पुलिस
- रेल की समय सारिणी बनाना
- पर्यावरण संरक्षण
- देश की सीमा रेखा का संरक्षण
- सड़कों पर बिजली की व्यवस्था
- अवैध निर्माण कार्य को तोड़ना
- जन्म-मृत्यु, विवाह का पंजीकरण
- दमकल सेवा
- असुरक्षित इमारतों के विषय में सूचना
- प्राथमिक शिक्षा
- भवन निर्माण की अनुमति
- शहर में सार्वजनिक परिवहन

महानगरपालिका के आय के स्रोत

↓

- → आवास कर
- → वित्त कर
- → जल कर
- → व्यवसाय कर
- → मनोरंजन कर
- → ऋणपत्र
- → राज्य शासन द्वारा प्राप्त अनुदान

यह पढ़ने पर, तुम्हें क्या लगता है ?

- तुम्हारे नगर में मैट्रो शुरू होने वाली है ?
- चौबीस मंजिला इमारत बनाने की अनुमती मिल गई है ।
- प्रत्येक प्रभाग (वार्ड) में उद्‌यान व मनोरंजन केंद्र का निर्माण किया जाने वाला है ।
- बगीचे और गाड़ियाँ धोने के लिए स्वच्छ जल का उपयोग करनेवालों पर कार्यवाही की जाएगी ।
- गीला कचरा अपने ही परिसर में ही रिसाना अनिवार्य कर दिया गया है ।
- वरिष्ठ नागरिकों के लिए वृद्‌धाश्रम का निर्माण किया जा रहा है ।

महानगरपालिका ने ऐसा क्यों किया ?

- महानगरपालिका ने पहाड़ियों/टीलों पर वृक्षों को काटकर निर्माण कार्य करने की अनुमती नहीं दी ।
- डेंगू, स्वाइन फ्लू, कोरोना जैसी बीमारियों को नियंत्रित करने के लिए अनेक योजनाएँ चलाईं ।
- दमकल सेवा अद्‌यतन की गई ।
- सब्जी मंडी में बाट और तराजू (माप/तौल) की जाँच की ।

क्या करोगे ?

तुम्हारे परिसर में नगरपालिका अथवा महानगरपालिका के अस्पताल कहाँ हैं, वह खोजो ।

इस अस्पताल में कौन-कौन-सी सुविधाएँ हैं? अस्पताल में उपचार करवाने के लिए क्या करना पड़ता है

स्थानीय शासन संस्थाएँ – नगरीय

नगर पंचायत	नगरपालिका	महानगरपालिका
सदस्य संख्या		
न्यूनतम ९ अधिकतम १५	न्यूनतम १७ अधिकतम ३८	जनसंख्या के आधार पर कुल सदस्य संख्या निश्चित की जाती है ।
पदाधिकारी		
अध्यक्ष उपाध्यक्ष	नगराध्यक्ष उपनगराध्यक्ष	महापौर उपमहापौर
अधिकारी		
कार्यकारी अधिकारी	मुख्याधिकारी	आयुक्त

क्या तुम जानते हो ?

आरक्षण किसे कहते हैं ? यह क्यों आवश्यक है ?

ग्राम पंचायत, पंचायत समिति व जिला परिषद, नगर पंचायत, नगरपालिका व महानगरपालिका में जितनी सीटें जनता चुनती हैं; उनमें से कुछ सीटें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा पिछड़े वर्ग के नागरिकों के लिए आरक्षित होती हैं । इन आरक्षित स्थानों पर इन्हीं वर्गों के लोग चुनकर आते हैं । इसी को सीटों का 'आरक्षण' कहते हैं । इसी तरह कुल सीटों में से आधी सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होती हैं ।

समाज के पिछड़े वर्ग के लोग तथा महिलाएँ गाँव तथा नगर के प्रशासनिक कामकाज में सम्मिलित हो सकें; निर्णयों में सहभागी हो सकें; इसके लिए आरक्षण आवश्यक होता है । लोकतंत्र में सभी को सहभागी होने का अवसर मिलना आवश्यक है ।

स्वाध्याय

१. दिए गए विकल्पों में से उचित विकल्प पहचानो और लिखो ।

(१) महाराष्ट्र के किस शहर में प्रथम महानगरपालिका की स्थापना की गई ....

(नागपूर, मुंबई, लातूर)

(२) नगर बनने की प्रक्रिया में जो गाँव होते हैं; वहाँ का प्रशासनिक कार्य .... देखती है ।

(नगरपालिका, महानगरपालिका, नगर पंचायत)

(३) नगरपालिका के आर्थिक प्रशासन पर ध्यान रखता है .... ।

(मुख्याधिकारी, कार्यकारी अधिकारी, आयुक्त)

२. संक्षेप में उत्तर लिखो ।

(१) नगरों में कौन-कौन-सी समस्याएँ दिखाई देती हैं ?

(२) महानगरपालिका की विविध समितियों के नाम लिखो ।

३. नीचे दिए गए मुद्‌दों के आधार पर नगरीय स्थानीय शासन संस्थाओं संबंधी जानकारी देने वाली सूची तैयार करो ।

४. बताओ तो

(१) नगरपालिका के अनिवार्य कार्यों में किन कार्यों का समावेश होता है ?

(२) नगर पंचायत कहाँ होती है ?

५. तुम्हारे जिले में कहाँ-कहाँ नगरपालिका, नगर पंचायत व महानगरपालिका कार्य देखती है । उनके नामों की सूची तैयार करो ।

उपक्रम :

(१) संक्रामक रोगों का फैलाव न हो इसलिए स्वास्थ्य जनजागृति विषय से संबधित घोषवाक्य तैयार करके कक्षा में लगाओ ।

(२) अपने क्षेत्र की महानगरपालिका में जाओ । वहाँ कौन-कौन-से नए उपक्रम चलाए जाने की योजना बनी है; उनकी जानकारी एकत्र करो । तुम उनमें अपना क्या योगदान दे सकते हो , इसपर कक्षा में विचार-विमर्श करो ।

मुद्‌दे	नगर पंचायत	नगरपालिका	महानगरपालिका
पदाधिकारी			
सदस्य संख्या			
अधिकारी			

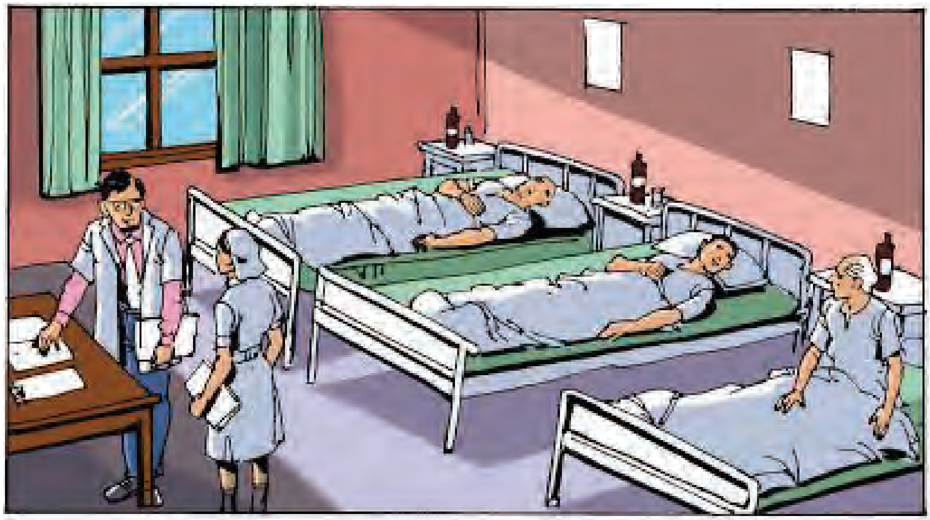

अस्पताल

* * *

71I5F2